

8-210

पञ्चवली परस दुयी प्रथो एवं प्राथो कवचील
को रक-२ कर वर-२ प्रावाज लागवू
गरी प्रथो एवं उनके वकील उपस्थित
नही-हैं। अतः प्राथो का प्राथक उदय प्रजरी
व उदय प्रथो के स्वारेण छिपा जला है
पञ्चवली के (वस्त्रजुगल) दोन तख्त कि रक है
वस्त्र लागवू प्रल वाड है।

(७)